(b) whether the proposal was approved by the Ministry of Finance keeping in view of the above demand;

(c) if so, whether the same has been implemented and benefit has been granted to CGHS pharmacists; and

(d) if not, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (DR. C. SILVERA): (a) Yes, Sir.

(b) No, Sir.

(c) Does not arise.

(d) The proposal is under consideration.

Delay in Providing Nebulizer Therapy

3892. SHRI RAJ NATH SINGH: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) what is the number of pending applications as on date for providing Nebulizer Therapy to CGHS beneficiaries and since when these are pending;

(b) what is the number out of those applications where the authorities asked for quotations;

(c) in how many cases quotation have been submitted by benficiaries but they have not been provided Nebulizer Therapy;

(d) what are the reasons for such inordinate delay in providing life saving device N.T.; and

(e) what steps are being taken by Government to provide N.T. at the earliest to those beneficiaries who submitted their applications as long back as November, 1993?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE (DR. C. SILVERA): (a) Six. Two applications have been pending since April, 1993 one since September, 1993, two since March, 1994, and 1 one since January, 1994.

(b) Four.

(c) Two.

(d) and (e) Nebulizer, being a hospital equipment, is normally not provided to CGHS beneficiaries. However, if the CGHS beneficiaries suffering from cronic Asthma are advised by the Specialist of Government/ recognised hospital and the same is recommended by the screening committee appointed for this purpose, the cost of Nebulizer is sanctioned on the basis of the lowest of the three quatations submitted by the beneficiary. Fulfilment of the above formalities take some time. However, applications, complete in all respects are disposed of quickly.

आनुवंशिकी के क्षेत्र में आधुनिक उपकरणों का उपयोग

3893. श्री गोपाल सिंह जी. सोंलकी: क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि आनुवांशिकी के क्षेत्र में आधुनिक उपकरणों तथा प्रौद्योगिकी का अविवेकपूर्ण उपयोग किया जा रहा है जिसका महिलाओं के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार इस संबंध में क्या उपचारात्मक उपाय करने का विचार रखती है?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा. सी. सिल्वेरा): (क) से (ग) भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के अनुसार आधुनिक उपकरण और प्रौद्योगिकी के उपयोग से महिलाओं के स्वास्थ्य पर कोई बुरा प्रभाव नहीं पड़ा है। वैसे, प्रसवपूर्व नैदानिक तकनीकों का दुरूपयोग रोकने के लिए हाल ही में संसद के दोनों सदनों ने "प्रसवपूर्व नैदानिक तकनीक (विनियम और दुरुपयोग निवारण) विधेयक, 1994 पास कर दिया है।

गुजरात और महाराष्ट्र में "एडस" के मामले

3894. श्री दिलीप सिंह जूदेव: क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) महाराष्ट्र और गुजरात में आज तक एच.आई.वी. (फ्र) के कितने मामलों का पता चला है;

(ख) महाराष्ट्र और गुजरात के किन-किन अस्पतालों में एड्स की जांच करने की सुविधा उपलब्ध है;

(ग) क्या केन्द्रीय सरकार द्वारा या विदेशी सहायता से महाराष्ट्र और गुजरात में एड्स नियंत्रण कार्यक्रम कार्यान्वित किया जा रहा है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा. सी. सिल्वेरा): (क) 30 जून, 1994 तक महाराष्ट्र